मेरी माँ | By Satender Sharma

हो किस्मत वाले बच्चो तुम माँ से दूर न हो जाना
गयी अकेला मुझे छोड़ ना कब मैंने ये पहचाना
खुद रोती रहती थी मुझको हंसाया करती थी
कृष्णा कन्हैया लल्ला कहते बाहों में झुलाया करती थी

नटखट था बचपन में जाने कितनी शरारत करता था
पापाजी का गुस्सा मेरी माँ को सहना पड़ता था
भोला और नादानबताके मुझको बचाया करती थी

नेहला धुला कर स्कूल वो अपने साथ में लेकर जाती थी
नज़र लगे न मुझको मेरे कला टीका लगाती थी
कुछ बन जाऊं पढ़ लिखके सपने सजाया करती थी

अब उसकी यादें ही रह गयी प्रेम को आज तरसता हूँ
औरों की माओं में अपनी माँ को देखा करता हूँ
कौन सुलाए लेहरी मुझको जैसे वो सुलाया करती थी

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%ae%e0%a5%87%e0%a4%b0%e0%a5%80-%e0%a4%ae%e0%a4%be%e0%a4%81-by-satender-sharma/